वनभूमि की मांग का औचित्य

परियोजना का नाम :— **जनपद रुद्रप्रयाग के विधानसभा क्षेत्र केदारनाथ के तहसील उखीमठ के अन्तर्गत हाट बष्टी मोटर मार्ग को एन0 एच0 107 से जोडने के लिये मन्दाकिनी नदी पर शहीद गजेन्द्र सिंह बिष्ट के नाम से लौह सेतु के निर्माण हेतु 0.060 है0 वनभूमि का लो0नि0वि0 को हस्तान्तरण।**

जनपद रुद्रप्रयाग के तहसील ऊखीमठ के अर्न्तगत विकास खण्ड अगस्त्यमुनि में राष्ट्रीय राजमार्ग सं॰ 107 (पूर्व मे 109) (रुद्रप्रयाग–गौरीकुण्ड राष्ट्रीय राजमार्ग) के कि॰मी॰ 23.00 में मन्दाकिनी नदी के बांयी तरफ गवनी गांव स्थित है। गवनी गांव में मन्दाकिनी नदी के दांयी तरफ से हाट–बष्टी मोटर मार्ग (लम्बाई 18.00 कि॰मी॰) प्रारम्भ होकर विभिन्न ग्रामों जैसे हाट, बष्टी आदि को जोड़ता है। इस स्थान पर लो0नि0वि0 द्वारा मन्दाकिनी नदी पर मानसून के उपरान्त अस्थाई पैदल सेतु लगाया जाता है जिसे मानसून से पूर्व हटा दिया जाता है। उक्त मोटर मार्ग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के मघ्य कोई स्थाई संयोजकता न होने के कारण इन ग्रामों की जनता को ब्लाक मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय पहुंचने के लिये औसतन लगभग 15 कि॰मी॰ का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ता है। उक्त स्थान पर सेतु के बनने से हाट–बष्टी मोटर मार्ग, रुद्रप्रयाग – गौरीकुण्ड राष्ट्रीय राजमार्ग के अवरुद्ध होने पर वैकल्पिक मोटर मार्ग के रुप में प्रयोग में लाया जा सकेगा जो कि चारधाम यात्राकाल में अतिमहत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा क्योंकि यह राष्ट्रीय राजमार्ग केदारनाथ धाम का मुख्य मोटर मार्ग है साथ ही उक्त सेतु के बनने से ग्रामीण क्षेत्र की आबादी को भी संयोजकता प्रदान होगी।

अतः कार्य की महत्ता को देखते हुये राज्य सरकार द्वारा उक्त स्थान पर 100 मी0 मोटर सेतु के निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गयी जिसके उपरान्त सेतु के निर्माण के लिये स्थल पर विस्तृत सर्वेक्षण किया गया एवं पाया गया कि सेतु के लिये बांयी तरफ वनभूमि का उपयोग किया जाना निश्चित है क्योंकि इस तरफ अन्य भूमि उपलब्ध नहीं है तदुपरान्त वनभूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव तैयार किया गया। वनभूमि का चयन करते हुये इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि सेतु के निर्माण से वन सम्पदा को कम से कम क्षति हो। इस प्रकार चयनित वनभूमि मात्र 0.06 हैक्टेयर है एवं वृक्षविहीन है अर्थात इस परियोजना के निर्माण में एक भी वृक्ष का पातन नहीं होना है।

अतः इस परियोजना के लिये उपरोक्तानुसार 0.06 हैक्टेयर वनभूमि की मांग औचित्यपूर्ण है।

कनिष्ठ अभियन्ता
लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ

सहायक अभियन्ता
लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ

अधिशासी अभियन्ता
लो0 नि0 वि0
ऊखीमठ

वन क्षेत्राधिकारी
वन क्षेत्राधिकारी
अगस्त्यमुनि

उप प्रभागीय वनाधिकारी
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग

प्रभागीय वनाधिकारी
रुद्रप्रयाग
उप वन संरक्षक
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग